आत्मनिरीक्षण

अपने अंदर देव बसाओ या दानव को बिठ्लाओ

ये सब तेरे हाथ मे मानव आत्म निरिक्षण कर जाओ

मन बुद्धि का खेल है सारा करो शुभ संकल्प सदा

द्वेष ग्लानि निंदा चुगली भय क्रोध संताप हटा

कर्मो और विचारो मे उस प्रभु को अपने साथ बिठा

देखेगा तू हर सीढ़ी पर चढ़ता जाता हर विघ्न हटा

सारे दिन मे एक भी एसा संकल्प नहीं आने पाए

जो विपदा और विवाद फेलाए मन की शांति हर जाए

सब को शुभ संस्कारो से भर दो अपने शुभ विचारो से

न सोचो कभी बुरा न होगा अपनों के व्यवहारों से

याद मे सदा बसाओ उसको जो सखा गुरु और भ्राता है

रोज तुम्हारे साथ ही रहता नजर नही वो आता है

अपने पराये का भेद पहचानो वास्तविकता का बोध करो

शिव पिता के साथी बन कर उसके कार्य को पूर्ण करो

Om shanti